1. भाषा और व्याकरण [Language and Grammar]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. भावों और विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम को ही भाषा कहते हैं।

2. जब हम बोलकर अपने विचार प्रकट करते हैं तो इसे मौखिक भाषा कहते हैं। यह भाषा का प्रारंभिक रूप है। जब हम लिखकर अपने विचार व्यक्त करते हैं तो इसे लिखित भाषा कहते हैं। यह भाषा स्थायी होती है।

3. वर्णों के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।

4. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को ही व्याकरण कहते हैं।

ख. 1. माध्यम, 2. दो, 3. व्याकरण, 4. लिखित, 5. अंग्रेज़ी।

ग. 1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा 3. मौखिक भाषा 4. लिखित भाषा

घ. 1. लिपि 2. मौखिक 3. लिखित 4. सांकेतिक भाषा

ङ.

	प्रदेश	**भाषाएँ**
1.	गुजरात	गुजराती
2.	पश्चिम बंगाल	बांग्ला
3.	महाराष्ट्र	मराठी
4.	कश्मीर	कश्मीरी
5.	पंजाब	पंजाबी
6.	हरियाणा	हरियाणवी
7.	केरल	मलयालम
8.	तमिलनाडु	तमिल
9.	उत्तर प्रदेश	हिंदी

च. 1. स, 2. ब, 3. ब, 4. ब, 5. ब, 6. स

छ.

मलयालम	मराठी
गुजराती	पंजाबी
कोंकणी	तमिल
ओड़िया	बांग्ला
कश्मीरी	कन्नड़

2. वर्ण-विचार [Phonology]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।

2. जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

3. दो भिन्न व्यंजनों के योग से बनने वाले व्यंजनों को संयुक्त व्यंजन कहते हैं; जैसे– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

4. कर्म, कार्य, धर्म, शर्म।

5. श्, ब्, स्, ह्

ख. 1. क्ष् = क् + ष्, 2. त्र् = त् + र, 3. ज्ञ् = ज् + ञ्, 4. श्र् = श् + र्

ग. 1. चाँदनी 2. मुँह 3. पंख 4. चंचल
5. अँगूठी 6. कुआँ 7. बंदर 8. संतरा

घ. 1. प्रेम प् + र् + ए + म् + अ
2. श्रमिक श् + र् + अ + म् + इ + क् + अ
3. कार्य क् + आ + र् + य् + अ
4. क्षत्रिय क् + ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ

ङ. पक्का कच्चा बच्चा पत्ता सच्चा

च. 1. ब, 2. ब 3. ब 4. ब

3. शब्द-विचार [Morphology]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

2. हिंदी भाषा में शब्दों को चार आधारों पर बाँटा गया है–
अ. अर्थ के आधार पर ब. उत्पत्ति के आधार पर
स. बनावट के आधार पर द. प्रयोग के आधार पर

ख. 1. तत्सम, 2. तद्भव 3. विदेशी, 4. देशज

ग. 1. दंत 2. कर्ण 3. अक्षि 4. नासिका

घ. 1. दूध 2. दही 3. घी 4. मोर

ङ. 1. महाविद्यालय 2. प्रधानाचार्य 3. कक्षा 4. शिक्षक

च. 1. पाठशाला 2. मेघदूत 3. रेलगाड़ी 4. विद्यालय

छ.   **अर्थ**   **अर्थ**

1. विष्णु   2. गणेश
3. कृष्ण   4. शिव
5. कृष्ण

ज. 1. ब, 2. स, 3. द

4. संज्ञा [Noun]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।
जैसे– गोपाल, दिल्ली, पुस्तक, मिठास आदि।

2. संज्ञा के तीन भेद होते हैं। लेकिन कुछ विद्वान संज्ञा के दो भेद और मानते हैं।

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा– किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– गंगा, भारत, राजेश, लखनऊ आदि।

(2) जातिवाचक संज्ञा– किसी जाति या वर्ग का बोध कराने वाले संज्ञा शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– मोर, बाग, पेड़ बंदर आदि।

(3) भाववाचक संज्ञा– किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण-दोष, अवस्था या भाव के नाम को भाववाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– मिठास, कटुता आदि।

(4) द्रव्यवाचक संज्ञा– किसी संज्ञा शब्द से किसी द्रव्य पदार्थ या धातु का बोध होता है, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– पानी, चाँदी आदि।

(5) समूहवाचक संज्ञा– जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह या समुदाय का बोध होता है, उसे समूह या समुदाय वाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– भीड़, सैनिक आदि।

3. किसी जाति या वर्ग का बोध कराने वाले संज्ञा शब्दों से जातिवाचक संज्ञा की पहचान की जाती है। जैसे– आदमी, लड़का, पेड़ आदि।

ख. 2. उदारता 3. चंचलता 4. अपनापन 5. मित्रता

ग. 1. ✓, 2. ✗, 3. ✓, 4. ✓, 5. ✓

घ.
1. व्यक्तिवाचक   6. जातिवाचक
2. व्यक्तिवाचक   7. भाववाचक
3. जातिवाचक   8. व्यक्तिवाचक
4. जातिवाचक   9. भाववाचक
5. भाववाचक   10. जातिवाचक

ङ. 1. स 2. ब 3. स

5. संज्ञा के विकार [Declension of Noun]

अभ्यास-उत्तर

लिंग [Gender]

क. 1. स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।
जैसे– आदमी, औरत, लड़का, लड़की, शेर, शेरनी आदि।

2. लिंग के दो भेद होते हैं– पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।
पुल्लिंग–शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष जाति के होने का बोध हो, उसे पुल्लिंग कहते हैं। जैसे– बालक, पिता, घोड़ा आदि।
स्त्रीलिंग–शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री जाति के होने का पता चले, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे– बालिका, माता, घोड़ी आदि।

ख. 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग
3. पुल्लिंग 4. स्त्रीलिंग
5. पुल्लिंग 6. पुल्लिंग

ग. 1. वधू, 2. गुणवती, 3. बैल, 4. मृदुभाषी, 5. मोरनी।

घ.

1. गाय	कवि
2. माँ	मोर
3. गायिका	शेर
4. रूपवती	नायक
5. सुता	अध्यापक

ङ. बुढ़िया, बूढ़ा, बच्ची, बच्चा, मुरगी, मुरगा

च. 1. ब, 2. ब, 3. अ, 4. ब

वचन [Number]

क. 1. शब्दों के जिस रूप से उनके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं; जैसे– लड़का–लड़के, पुस्तक–पुस्तकें आदि।

2. वचन के दो भेद होते हैं– 1. एकवचन, 2. बहुवचन।
एकवचन–शब्द के जिस रूप से उसकी एक संख्या होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे– बच्चा, बहन, कक्षा, कमरा आदि।
बहुवचन–शब्द के जिस रूप से एक से अधिक होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे– बच्चे, बहनें, कक्षाएँ, कमरे आदि।

ख. 1. छात्राएँ, 2. घड़ियाँ, 3. चिड़ियाँ, 4. पुस्तकें, 5. नदियाँ, 6. पेड़

ग. 1. लोग 3. दर्शक
2. आँसू 4. हस्ताक्षर

घ. 1. पढ़ रहे हैं 2. निकल पड़े
3. बैठे थे 4. होता है

ङ. 1. ब, 2. ब, 3. ब, 4. अ

कारक [Case]

क. 1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनका क्रिया के साथ संबंध पता चलता है उसे कारक कहते हैं।

2. कारक के आठ भेद होते हैं।

1. कर्ताकारक, 2. कर्मकारक, 3. करणकारक, 4. संप्रदानकारक, 5. अपादानकारक, 6. संबंधकारक, 7. अधिकरणकारक, 8. संबोधनकारक।

ख. 1. राधा **ने** खीर खाई।
2. राम **को** श्याम **पर** बहुत गुस्सा आ रहा था।
3. शालिनी रश्मि **के लिए** उपहार लाई।
4. सीमा **ने** पौधों **को** पानी दिया।

ग.
1. करण → से
2. संबंध → का, के, की
3. कर्म → को
4. संप्रदान → को, के लिए
5. संबोधन → हे!

घ. 1. यह पुस्तक मेरी बहन के लिए है। 2. वह राम की बहन है।
3. नौकर के द्वारा यह काम किया गया है। 4. श्याम को बुलाओ।
5. सीता ने गृहकार्य नहीं किया। 6. वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।
7. महिलाएँ छत पर बैठी हैं। 8. अरे! तुम्हें क्या हुआ।

ङ.

कारक	**कारक-चिह्न**	**उदाहरण**
1. कर्ता	ने	राम ने खाया।
2. कर्म	को	राम ने श्याम को बुलाया।
3. करण	से, के द्वारा	राम कलम से लिखता है।
4. संप्रदान	को, के लिए	राम अपनी बहन के लिए पुस्तक लाया।
5. अपादान	से	राम मुंबई से आया है।
6. संबंध	का, की, के, रा, री, रे	राम की माता जी आ रही हैं।
7. अधिकरण	में, पर	राम विद्यालय में है।
8. संबोधन	हे! अरे!	अरे राम! मेरी बात सुनो।

6. सर्वनाम [Pronoun]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं;
जैसे– मैं, वह, तुम, यह।

2. सर्वनाम के छह भेद होते हैं– पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक और निजवाचक।

ख. 1. वह आया है। 2. उसने खीर खाई।

3. उसने अपना काम किया। 4. वह खेत हमारा है।

ग. 1. राजीव **अपनी** बहन के साथ **अपने** स्कूल गया।

2. अध्यापिका ने श्याम से कहा, "**तुम** जाकर **अपनी** जगह बैठो।"

3. शिवानी ने विनीता से कहा, "मैं **तुम्हारी बात** याद रखूँगी।"

4. पिता जी ने आकाश से कहा, "**तुम अपनी** किताब लाओ।"

घ.	1.	पुरुषवाचक	मैं खेल रहा हूँ।
	2.	निश्चयवाचक	यह पुस्तक मेरी है।
	3.	अनिश्चयवाचक	बाहर कोई खड़ा है।
	4.	प्रश्नवाचक	तुम क्या कर रहे हो?
	5.	संबंधवाचक	जो करेगा सो भरेगा।
	6.	निजवाचक	मैं अपना काम स्वयं करूँगा।

ङ. 1. स, 2. स, 3. स।

7. विशेषण [Adjective]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।
जैसे– मीठा, ऊँचा, नटखट, मोटा आदि।

2. विशेषण के चार भेद होते हैं।
1. गुणवाचक, 2. संख्यावाचक, 3. परिमाणवाचक, 4. सार्वनामिक

ख. 2. चालीस, 3. ऐतिहासिक, 4. सामाजिक, 5. कुछ।

ग. 1. ✗, 2. ✗, 3. ✓, 4. ✗

घ. वाक्य

	वाक्य	विशेषण	विशेष्य
2.	भारतीय और जापानी मेहनती होते हैं।	भारतीय और जापानी	मेहनती
3.	आकृति ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।	प्रथम	स्थान
4.	पिता जी दो किलो मिठाई लाए।	दो किलो	मिठाई
5.	उस पेड़ पर कौआ बैठा है।	उस	पेड़

ङ.

	वाक्य	विशेषण भेद
2.	ये लोग कब आए?	प्रश्नवाचक विशेषण
3.	एकता अच्छी लड़की है।	गुणवाचक विशेषण
4.	कुछ लड़के खेल रहे हैं।	संख्यावाचक विशेषण
5.	मामा जी पाँच किलो आम लाए।	परिमाणवाचक विशेषण
6.	वह पुस्तक अंकित की है।	सार्वनामिक विशेषण

च. 1. अ, 2. अ, 3. अ, 4. ब।

छ. 1. मोहन बहुत **परिश्रमी है।**

2. वह **चार लीटर** दूध लाया।

3. हमें **स्वस्थ** रहने के लिए योग करना चाहिए।

4. मुझे **थोड़ा** दूध चाहिए।

8. क्रिया [Verb]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
जैसे– राम दौड़ता है। सीता खाती है।

2. मुख्य रूप से क्रिया दो प्रकार की होती है– 1. सकर्मक क्रिया, 2. अकर्मक क्रिया।

3. सकर्मक क्रिया–सकर्मक क्रिया का अर्थ होता है– कर्म के साथ। जिस क्रिया में कर्म पाया जाए, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे– गीता पत्र लिखती है।

अकर्मक क्रिया–अकर्मक का अर्थ होता है–कर्म के बिना। जिस क्रिया में कर्म नहीं पाया जाए, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे–राम खाता है।

4. दुकानदार मोहन को कपड़े दिखाता है।

ख. 1. हम कान से **सुनते हैं**।

2. छात्र विद्यालय **जाता है**।

3. सुमन पत्र **लिखती है**।

4. कलम मेज़ पर **है**।

5. मोटरगाड़ी सड़क पर **चलती है**।

ग.	**अकर्मक**	**सकर्मक**
2.		फल खाता है।
3.	हँसती है।	
4.		फूल मत तोड़ो।
5.		मुंबई जा रहा है।

घ. 1. ब, 2. ब, 3. अ

ङ. 2. खाना 7. लिखना

3. गाना 8. हँसना

4. रोना 9. जाना

5. उठना 10. चलना

6. पढ़ना

च. 1. अकर्मक क्रिया– 1. सीता गाती है।

2. अनिल खेलता है।

2. सकर्मक क्रिया– 1. मोहन पत्र लिखता है।

2. मीना फल खाती है।

9. काल [Tense]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध होता है, उसे क्रिया का काल कहते हैं। जैसे –

1. राम ने खाना खाया।

2. राम खाना खा रहा है।

3. राम खाना खाएगा।

2. काल के तीन भेद होते हैं–1. भूत काल, 2. वर्तमान काल, 3. भविष्यत् काल।

ख. 1. नेहा का भाई कल आएगा। 2. सुदीप ने गृहकार्य कर लिया।

3. अध्यापिका हिंदी पढ़ाती है। 4. छात्र विद्यालय से जा चुका है।

5. डॉक्टर रोगी को देखता है। 6. आज वर्षा होगी।

ग. 1. बच्चा सुख से सोया।

2. अमन ज़ोर-ज़ोर से रो रहा था।

3. आम बहुत मीठा था।

4. मोर जंगल में नाच रहा था।

5. पुस्तक खुली रह गई थी।

घ. 1. चकोरी यूँ ही खेलती रहती है। 2. वहाँ जंगल है।
3. आज विद्यालय खुला है। 4. रानी नदी में तैर रही है।
5. रेखा खरीददारी कर रही है।

ङ. 1. रामू खाना बनाएगा। 2. शीतल पार्क में टहलेगी।
3. उदय स्कूल जाएगा। 4. मोहन हँसेगा।
5. सीता मंच पर गाना गाएगी।

च.

	मूल क्रिया	भूतकाल	वर्तमान काल	भविष्यत् काल
2.	रोना	रोता था	रोता है	रोएगा
3.	गिरना	गिरता था	गिरता है	गिरेगा
4.	चढ़ना	चढ़ता था	चढ़ता है	चढ़ेगा
5.	दौड़ना	दौड़ता था	दौड़ता है	दौड़ेगा
6.	सोना	सोता था	सोता है	सोएगा

छ.

2.	चारों ओर अँधेरा छाया	जाएगा
3.	हम सभी सफल और असफल होते	रहे हैं
4.	कुछ लड़के छत पर पतंग उड़ा	हो रही है
5.	आज मूसलाधार वर्षा	हुआ था
6.	रवि कल अमेरिका	रहते हैं

ज. 1. स, 2. ब, 3. ब, 4. अ

झ. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. अव्यय शब्द [Indeclinable Words]

अभ्यास-उत्तर

1. क्रियाविशेषण (Adverb)

क. 1. जिन शब्दों में लिंग, वचन और काल के प्रभाव के कारण परिवर्तन नहीं होता है, उन्हें अव्यय कहते हैं।

2. अव्यय के चार भेद होते हैं–

1. क्रियाविशेषण, 2. संबंधबोधक, 3. समुच्चयबोधक, 4. विस्मयादिबोधक।

3. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं। इसके चार भेद होते हैं।

1. रीतिवाचक क्रियाविशेषण 2. कालवाचक क्रियाविशेषण
3. स्थानवाचक क्रियाविशेषण 4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

ख. **शब्द** **भेद**

1. धीरे-धीरे	रीतिवाचक
2. कल	कालवाचक
3. कम	परिमाणवाचक
4. वहाँ	स्थानवाचक

ग. **विशेषण** **क्रियाविशेषण**

1. गरम	धीरे-धीरे
2. शीतल	मंद-मंद
3. काला	तेज़
4. सुंदर	हौले-हौले

घ. 1. ब, 2. ब, 3. ब, 4. ब।

2. संबंधबोधक (Preposition)

क. 1. के अंदर, 2. के लिए, 3. के ऊपर, 4. के विरुद्ध, 5. सिवा

ख. 1. से पहले, 2. की जगह, 3. के साथ, 4. के लिए

3. समुच्चयबोधक (Conjunction)

क. 1. एवं, 2. मगर, 3. परंतु, 4. इसलिए, 5. ताकि

ख. 1. परंतु, 2. ताकि, 3. तो, 4. तो, 5. या

4. विस्मयादिबोधक (Interjection)

क. 1. हाय! यह क्या हो गया?

2. छिः! दूर हटो।

3. बाप रे! यह क्या कर दिया?

4. वाह! हम मैच जीत गए।

5. अरे! मेरी बात सुनो।

ख. 1. शाबाश! 2. वाह! 3. ओहो! 4. अरे! 5. आह!

11. वाक्य [Sentence]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. किसी भाव या विचार को पूर्ण रूप प्रकट करने वाले पद समूह को वाक्य कहते हैं।

2. वाक्य के दो अंग होते हैं—1. उद्देश्य, 2. विधेय।

3. वाक्य दो प्रकार के होते हैं– (क) रचना की दृष्टि से (ख) अर्थ की दृष्टि से।

4. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं–

1. कथनात्मक,	2. निषेधवाचक	3. प्रश्नवाचक
4. आज्ञार्थक	5. इच्छावाचक	6. संदेहवाचक
7. विस्मयादिबोधक	8. संकेतवाचक	

5. जिस वाक्य में एक से अधिक साधारण वाक्यों को किसी समुच्चयबोधक अव्यय से जोड़ा जाए, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं; जैसे– राम थक गया था इसलिए सो गया।

ख.

उद्देश्य	**विधेय**
1. बच्चे	पढ़ रहे हैं।
2. तृप्ति	निबंध लिख रही है।
3. मजदूर	पेड़ काट रहा है।
4. चिड़िया	उड़ रही है।
5. संदीप ने	मोहन को आइसक्रीम खिलाई।

ग. 1. मिश्र वाक्य, 2. संयुक्त वाक्य, 3. सरल वाक्य।

घ. 1. विस्मयादिबोधक 2. संदेहवाचक
3. कथनात्मक 4. निषेधवाचक
5. आज्ञार्थक

ङ. 1. राधा, 2. भक्त, 3. पुजारी, 4. गीता, 5. माता जी।

12. शब्द भंडार [Vocabulary]

अभ्यास-उत्तर

पयार्यवाची शब्द (Synonyms)

क. 1. घोड़ा – अश्व, घोटक 2. आँख – नेत्र, नयन
3. इंद्र – सुरेश, सुरपति 4. चंद्रमा – शशि, राकेश
5. बादल – घन, मेघ

ख. 1. पटु 2. कुसुम
3. दिवस 4. त्रिलोचन
5. सुत

विलोम शब्द (Antonyms)

क. 1. प्रशंसा 2. असफल
3. निरर्थक 4. अस्वस्थ

5. स्वच्छ — 6. विराग

7. वियोग — 8. मंद

9. अपकार — 10. मधुर

ख. 2. हिंसा – अहिंसा; 3. सच – झूठ

4. मूक – वाचाल; 5. विरोध – समर्थन

6. घृणा – प्रेम; 7. जीवन – मरण

8. नर – नारी; 9. दूषित – स्वच्छ

10. पाप – पुण्य

ग. 1. गोपनीय; 2. तीव्रगामी

3. आज्ञाकारी; 4. अग्रज

5. मृदुभाषी

घ. 1. सब कुछ जानने वाला

2. किए हुए उपकार को मानने वाला

3. पढ़ने योग्य

4. बड़ा भाई

5. जीवनभर

6. मीठा बोलने वाला

7. जिसका अंत न हो

8. जिसके मन में दया हो

9. जिसके आर–पार देखा जा सके

10. जिसकी चार भुजाए हों

ङ. 1. जिज्ञासा, 2. अल्पज्ञ, 3. गैरकानूनी, 4. कटुभाषी, 5. दर्शनीय।

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द (Homophones)

क. 1. तुलना में
निरादर

3. वंश
किनारा

2. छाता
विद्यार्थी

4. जल
हाथ

ख. 1. अनल को आग कहते हैं।
अनिल हवा का पर्याय है।

2. सेठ रामलाल बहुत कृपण है।
बच्चों को कृपाण से नहीं खेलना चाहिए।

3. राम दशरथ के सुत थे।
गाँधी जी सूत कातते थे।

4. उसका कुल श्रेष्ठ है।
वह नदी के कूल पर बैठ गई।

5. हमें किसी से छल-कपट नहीं करना चाहिए।
मंदिर के कपाट खुल गए हैं।

अनेकार्थक शब्द (Words with various meaning)

क.
1. सूर्य रस
2. धन मतलब
3. पंकज कमल
4. शहद शराब
5. दानव राक्षस

ख.
1. साधारण
2. आम का फल
3. हाथ
4. टैक्स
5. उद्देश्य
6. निशाना

ग.
2. पता
3. पूज्य
4. भौंरा

13. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

[Idioms and Proverbs]

अभ्यास-उत्तर

क.
1. अपने मूल अर्थ का बोध न कराकर विशेष अर्थ का बोध कराने वाले वाक्यांश को मुहावरा कहते हैं।
2. जो अपने विशेष अर्थों में किसी सच्चाई या जीवन के अनुभव को व्यक्त करे, उसे लोकोक्ति कहते हैं।
3. **मुहावरा**—मुहावरा वाक्य का अंश होता है और यह वाक्य में जुड़कर विशेष अर्थ का बोध कराता है।
लोकोक्ति—लोकोक्ति अपने आप में पूरा कथन या वाक्य होती है।

ख.
1. अपना उल्लू सीधा करने
2. अक्ल का दुश्मन
3. दिन फिरने
4. कान खोलकर सुननी चाहिए
5. थाली का बैंगन

ग.
1. आग में घी डालना
2. अगर-मगर करना
3. पापड़ बेलना
4. मुँह छिपाना
5. ठन-ठन गोपाल

घ. 1. कष्टों का सामना करना।
राम ने अध्यापक बनने के लिए बहुत पापड़ बेले हैं।
2. बहुत खुश होना।
अपनी नई कार देखकर गोपाल बाग-बाग हो गया।
3. तेज भूख लगना।
मुझे जल्दी कुछ खाने को दो, मेरे पेट में चूहे दौड़ रहे हैं।
4. बहुत तंग होना।
किसी बड़े काम को करने के लिए नाकों चने चबाने पड़ते हैं।
5. क्रोध करना।
गलती करने वाले को आँख नहीं दिखानी चाहिए।

ङ. 1. सिर मुँड़ाते ही ओले पड़ना कार्य प्रारंभ करते ही विघ्न पड़ना।
2. आँख के अंधे नाम नैनसुख गुण के विपरीत नाम होना।
3. ऊँची दुकान फीका पकवान — दिखावा अधिक परंतु वास्तविकता कम।
4. अंधों में काना राजा — मूर्खों में थोड़ा पढ़ा-लिखा होना।
5. होनहार बिरवान के होत चीकने पात — होनहार के लक्षण बचपन से ही दिखते हैं।

च. 1. दूसरों की देखा-देखी अनुकरण करना।
2. एक मुसीबत होने पर दूसरी मुसीबत का आ जाना।
3. जिसने स्वयं मुसीबत नहीं झेली, वह दूसरे का कष्ट नहीं समझ सकता है।
4. सबकी दशा एक समान नहीं होती।
5. होनहार के लक्षण बचपन से ही दिखाई पड़ने लगते हैं।

छ. 1. भीगी बिल्ली होना
2. आँख का तारा
3. बाग-बाग होना
4. एक और एक ग्यारह
5. मुँह छिपाना
6. गले का हार
7. नौ-दो ग्यारह होना

14. विराम-चिह्न [Punctuation]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. वाक्य लिखते समय विराम प्रकट करने वाले चिह्न विराम-चिहन कहलाते हैं।
2. पूर्ण विराम का प्रयोग वाक्य के अंत में किया जाता है।
3. प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
जैसे— आपका घर कहाँ है?

ख. 1. पूर्ण विराम 2. उद्धरण चिह्न
3. प्रश्नवाचक 4. विस्मयादिबोधक
5. दोहरा अल्पविराम

ग. 1. अर्धविराम 2. अपूर्ण विराम
3 विस्मयादिबोधक 4. अल्प विराम
5. दोहरा उद्धरण चिह्न

घ. 1. ब, 2. द, 3. स।

ङ. 1. अध्यापक ने पूछा, "तुम कल क्यों नहीं आए थे?"
2. मैं, तुम और वह चलेंगे।
3. तुम्हें बाज़ार से क्या लेना है?
4. वाह! क्या सुंदर दृश्य है।

15. अपठित-बोध [Comprehension]

अभ्यास-उत्तर

1. 1. अ 2. अ 3. स 4. ब

2. 1. कोयल मधुर वाणी में बोलती है इसलिए सभी को प्रिय होती है।
2. कौए की आवाज़ कोई सुनना इसलिए नहीं चाहता क्योंकि वह कर्कश वाणी में बोलता है।
3. मधुर वाणी औषधि के समान होती है।
4. कड़वी वाणी तीर के समान होती है।
5. मीठी वाणी बोलने से हम समाज में आदर और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं।

3. 1. स 2. द 3. अ 4. ब 5. अ

4. 1. फूलों ने हँसना-हँसाना, महकाना और डाली पर इतराना सीखा है।
2. फूलों की मधुर महक से उपवन महक उठते हैं।
3. फूल मंद पवन में झूमकर डाली पर इतराते हैं।
4. भौरों के मन के प्याले मधुर रस से भर जाते हैं।
5. फूल उपवन पवन डाली भौरा।

16. संवाद-लेखन [Dialogue Writing]

अभ्यास-उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।

17. पत्र-लेखन [Letter Writing]

अभ्यास-उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।

18. अनुच्छेद-लेखन [Paragraph Writing]

अभ्यास-उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।

19. कहानी-लेखन [Story Writing]

अभ्यास-उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।

20. निबंध-लेखन [Essay Writing]

अभ्यास-उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।

21. अन्य-जानकारी [Other Information]

अभ्यास-उत्तर

विद्यार्थी स्वयं करें।